ISSN 0972-5539

मीना समाचार
MEENA News
भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण का प्रकाशन
A PUBLICATION OF FISHERY SURVEY OF INDIA

खंड XXXV सं. IV मुंबई अक्तूबर-दिसंबर 2018

I. अनुसंधान क्षेत्र सेः

ए) दक्षिण महाराष्ट्र तट (अक्षांश 18° उ) से धारीदार ईल कैट फिश *प्लोटोसस लिनिएटस* (थुनबर्ग, 1787) की प्राप्ति ।

नवंबर 2018 माह के दौरान पोत*एम. एफ. वी. मत्स्यन निरीक्षणी* ने भारत के उत्तर पश्चिमी तट के समीप समन्वेषी मात्स्यिकी संसाधन सर्वेक्षण करते समय अक्षांश 18° 06.6' उ/देशांतर 072° 29. 0'पू के क्षेत्र के 41 मी. गहराई से धारीदार ईल कैट फिश *प्लोटोसस लिनिएटस* की पकड दर्ज की । 45 मी श्रिम्प ट्रॉल से 14.5-20.0से.मी. बीच के और 20.0 कि. ग्रा. वजन की कुल 66 नग मछलियाँ पकड़ी गई ।

पी लिनिएटस की पहचान 69-115 मृदु पृष्ठीय रे और 58-82 मृदु गुदा पख से युक्त एकल पृष्ठीय रीढ़ के आधार पर की जाती है । पृष्ठीय और गुदा पख पुच्छ पंख तक होता है । चार जोडी माउथ बार्बल और एक अत्याधिक विषैला दाँतेदार काँटा पहले पृष्ठीय और प्रत्येक पेक्टोरल पंख की शुरुआत में मौजूद होता है । *पी लिनिएटस* हिंद महासागर, पश्चिमी प्रशांत समुद्र में पाई जाती है और कुछ समय वे पूर्वी अफ्रीका और मडगास्कर के ताजे पानी में प्रवेश करते हैं । सुईज कैनाल के माध्यम से एक लेस्सेसपियन प्रवासी के रुप में यह प्रजाति अब भूमध्य सागरीय क्षेत्र में भी होती है । दक्षिण महाराष्ट्र (अक्षांश 18° उ) के क्षेत्र में किशोरों की उपस्थिति से पता चलता है कि ये क्षेत्र ईल कैट मछलियों के प्रजनन स्थल हो सकते है ।

प्लोटोसिडिस परिवार के *पी. लीनिएटस* को आमतौर पर धारीदार ईल कैटफिश कहा जाता है । बारबेला के 4 जोडी से घिरी मुंह और ईल जैसे शरीर के साथ एक विशिष्ट धारीदार कैट फिश है । किशोर में धारियाँ स्पष्ट है और वयस्कों में कम स्पष्ट है । *पी लिनिएटस* तटीय बेंथिक है और केवल प्रवाल भित्ति में आमतौर पर ज्वारनदमुख, ज्वार तालाब और खुले तटों में पाए जाते हैं । *पी. लिनिएटस* के वयस्क अकेले या 20 के आसपास छोटे समूहों में पाए जाते है । वे दिन में चट्टानों या चट्टानों के नीचे अपने आप को छुपाते है । धारीदार ईल कैट फिश मुख्य रुप से क्रस्टेशियंस, मोलस्क, कीडे खाते हैं और कभी कभी मछली खोजती है और रेत को लगातार-हिलाती है ।

(डॉ. एस. के. व्दिवेदी, मात्स्यिकी वैज्ञानिक, मुंबई बेस द्वारा सूचित)

बी) पफर फिश *लगोसेफलस इनेरमिस* का असामान्य रुप से बड़ा नमूना

अक्टूबर 2018 समुद्री यात्रा के दौरान, पोत *एम. एफ. वी. मत्स्य शिकारी* को अक्षांश 16° उ – 21° उ के बीच समन्वेषी मात्स्यिकी संसाधन सर्वेक्षण के लिए परिनियोजित किया गया था और विशाखपट्टणम तटीय जल में अक्षांश 17° 46. 8' उ/देशांतर 83° 28-9' पू के क्षेत्र में 39 मी. गहराई में 34 मी. श्रिम्प ट्रॉल द्वारा पकडी गई पफर फिश, *लगोसेफलस इनेरमिस* (टेम्मिक & श्लेजेल, 1850) चिकनी ब्लासप या चिकनी पृष्ठ ब्लो फिश का असामान्य बड़ा मादा नमूना दर्ज किया गया । नमूनों के मोरफोमेट्रिक माप लिए गए । कुल लंबाई-480 मि. मी, मानक लंबाई-470 मि.मि, पृष्ठीय रे-13 मि. मी., स्कंध मृदु कांटा - 16 मि. मी., गुदा मृदु कांटा-12 मि. मी, पुच्छ मृदु कांटा-9 मि. मी वजन- 2.75 कि. ग्रॉ है ।

उक्त प्रजातियों को परजीवी *नेरोसीला* सिगानी द्वारा परजीविकृत करते हुए देखा गया था, जिसे *लेगोसेफलस इनेरमिस* के कॉडल क्षेत्र से पहचाना गया । होस्ट के दुम पख में कुल 7 परजीवी पाए गए जिनमें से 4 अंडाकार मादा और 3 नर परजीवी देखे गए । अंडवाही मादा की लंबाई 17.0 से 19.0मि. मी के बीच और चौडाई 9.0-11.0 मि मी के बीच रही । हालांकि 3 नर की लंबाई 12.0-14.0 मि मी के बीच और

चौडाई 4.0-06 मि. मी. के बीच रही । पुच्छ क्षेत्र से *लगोसिकलस इनर्मिसआइसोपोड परजीवी एन सिगानी का नया होस्ट रिकार्ड है ।*

(श्री के सिलंबरसन, व. वैज्ञानिक सहायक, विशाखपट्टणम बेस द्वारा सूचित)

सी) भारत के दक्षिण पूर्व विशाखपट्टणम तट में तलमज्जी मात्स्यिकी संसाधनों की बम्पर पकड

पोत एम. एफ. वी. *मत्स्य शिकारी* ने दिसंबर 2018 माह के दौरान 34 मी फिशट्रॉल परिनियोजित कर तलमज्जी मात्स्यिकी संसाधनों की मॉनिटरिंग और समन्वेषी सर्वेक्षण, निर्धारण और मॉनिटरिंग संचालित किया और अक्षांश 17° 45. 2' उ/देशांतर 83° 30.7' पू (विशाखपट्टणम से दूर) क्षेत्र से 57 मी गहराई में एकल हॉल में कुल 1.2 टन मछली पकड़ दर्ज की । पकड़ में गोट फिश (36.2%), क्लूपिड (32.8%), इंडियन स्कड (25.7%) और मैकरेल (5.2%) शामिल थी ।

(श्री एस. के. पटनायक, व. वैज्ञानिक सहायक, विशाखपट्टणम बेस द्वारा सूचित)

डी) समुद्री कच्छुआ- टूना लॉग लाइन में एक आकस्मिक पकड़

एम एफ वी येल्लोफिन, एक मल्टीफिलमेट टूना लॉग लाइनर (35.76 मी ओ ए एल) को 13° उ-18° उ के बीच के क्षेत्र में महासागरीय टूना एवं संबंधित संसाधनों के सर्वेक्षण करने के लिए परिनियोजित किया गया था । दिसंबर 2018 माह में समुद्री यात्रा के दौरान अक्षांश 16° 18.6 उ/-0 70° 51.4 पू, गहराई 2677 मी और अक्षांश 13° 47.4 उ/072° 42.8 पू गहराई 1521 मी से क्रमशः वजन 25 &27 कि.ग्रा का 2 नग ओलिव रिडली समुद्री कच्छुआ (लेपिडोशेलिस ओलिवेसिया) दर्ज किया गया । दर्ज दो मादा समुद्री कच्छुए को आकस्मिक रुप से निचले जबडे के बीच में हूक किए गए थे और मृत पाए गए । उसदिन चारे के रूप में स्क्विड और डिकेप्टरिड्स का उपयोग किया गया था । आवश्यक मोरफोमेट्रिक मापन लेने के बाद, इसे वापस समुद्र में छोड़ दिया गया ।

यह प्रजातियां लाँग लाइन में लक्षित प्रजाति नहीं है क्योंकि ये प्रजातियाँ आई यू सी एन, २००८ के अधीन असुरक्षित हैं। ये प्रजातियाँ हिंद महासागर और प्रशांत महासागर के उष्णकटीबंधीय और गर्म जल क्षेत्रों में रहती है, जिन्हे संरक्षण की बहुत आवश्यकता है ।

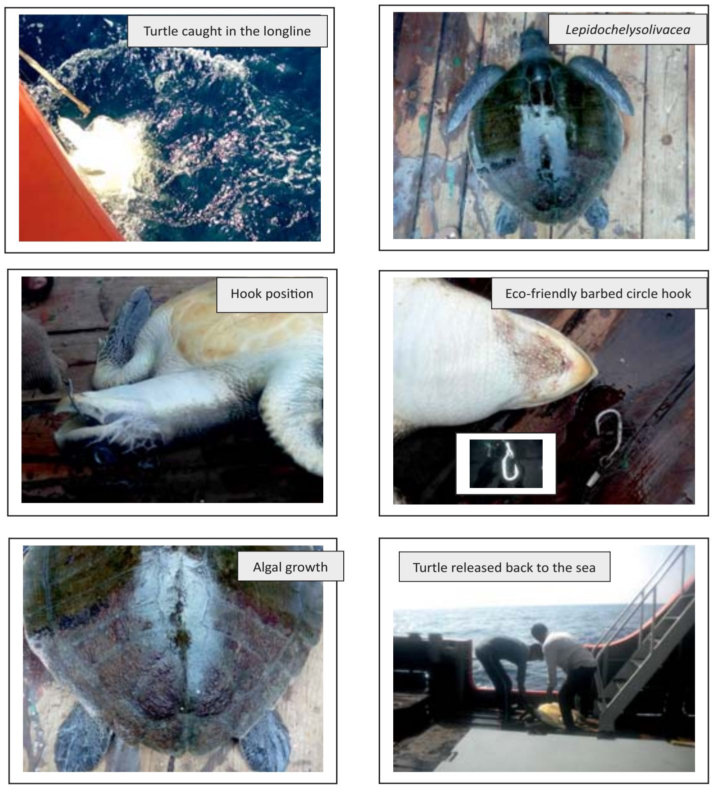

(श्री ए.शिवा,व.वैज्ञानिक सहायक,भा.मा.स. (मुख्यालय))

इ) येलो फिन टूना (वाई एफ टी) के पेट में परीजीवी *(हीरुडीनेला वेंट्रिकोसा)*

महासागरीय के अन्वेषणात्मक सर्वेक्षण के लिए भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के मार्मुगोवा क्षेत्रीय बेस से संबद्ध मल्टीफिलामेंट टूना लाँग लाईनर (कुल लंबाई 35.76 मीटर)जलयान टूना और समवर्गी संसाधनों *एम. एफ. वी. येल्लोफिन टूना* -को दिसंबर 2018 माह के दौरान परिनियोजित किया गया। अक्षांश 13° उ -18° उ के क्षेत्रों के बीच सर्वेक्षण करते समय अक्षांश 13°57.20' उ/ 71°51.70' पूर्व के क्षेत्रों से 1662 मीटर गहराई से एक येल्लो फिन टूना *(थुन्नस अल्बाकेरस)* मछली की पकड़ दर्ज़ की गई, जिसके पेट के अंदरूनी दीवारों से 5 परीजीवी (फ्लूक) देखे गए और इसकी पहचान *हीरुडीनेला वेंट्रिकोसा* के रूप में की गई ।

वैस् ती विश्व के विभिन्न नेरिटिक टूना में इन परजीवियों की रिपोर्ट की गई है, वर्तमान में भारत के पश्चिमी तट के मध्य में येलोफिन टूना देखी गई। *हीरुटीनेला वेंट्रिकोसा* प्रजाति मासल कीड़े की तरह होती है, जो विभिन्न माप और उनके आकृति की होती है। भूरे से गुलाबी रंगों में पायी जाने वाली इन परीजिवियों में दो सकर होते है जिसे आसानी से कीड़े के अंदरुनी भाग के अग्र में देखा जा सकता है। वाहू के परीजीवियों में इसकी विशेषता है, अटलाटिक ब्लू मार्लिन, डोल्फिन, लिटल टून्नी में प्राथमिक परीजीवी और संभवतः अन्य स्कोमब्रिड्स में माध्यकिम परीजीवी के तौर पर इसे देखा गया है।

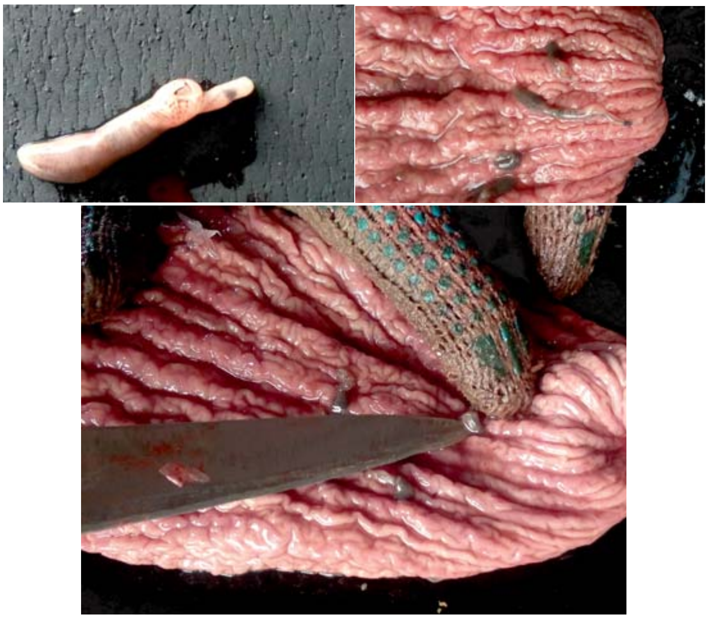

(श्री ए.शिवा,व.वैज्ञानिक सहायक,भा.मा.स. (मुख्यालय))

II. बहिर्गमन एवं प्रशिक्षणः

बेस कार्यालयों द्वारा आयोजित क्षेत्रीय कार्यशालाएं/प्रदर्शनियाँ

मुंबई बेसः

वेरावल से दूर समुद्री मात्स्यिकी संसाधनों और विविधीकृत मत्स्यन प्रणालियों पर एक क्षेत्रीय कार्यशाला और एक प्रदर्शनी 5.12.2018 को वेरावल, गुजरात में क्षेत्र के स्थानीय मछुआरों के हित के लिए आयोजित की गई । कार्यशाला का उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि श्री लक्खनभाई भेनसाला, खरवासमाज के अध्यक्ष वेरावल द्वारा किया गया । उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता श्री बी बालानायक, सेवा अभियंता (यांत्रिक), भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण का मुंबई बेस द्वारा किया गया । कुल 100 मछुआरों ने कार्यशाला में भाग लिया । मछुआरों के अतिरिक्त, कार्यशाला में राज्य मात्स्यिकी विभाग, गुजरात सरकार और वेरावल के नाव मालिकों/प्रचालकों ने भाग लिया । तकनीकी सत्र में भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के मुंबई बेस के वैज्ञानिकों द्वारासमुद्री मात्स्यिकी,उत्तरदायी मात्स्यिकी के लिए आचार संहिता (सी सी आर एफ) और समुद्र में सुरक्षा, स्वच्छतापूर्वक मछली को संभालना और इंधन बचत युक्तियों पर

शोध पत्र प्रस्तुत किए गए ।

मुरगांव बेसः

मुरगांव बेस ने “गोवा के समुद्री मात्स्यिकी संसाधन; स्थायी उपयोग, विकास, एवं प्रबंधन” पर एक क्षेत्रीय कार्यशाला 8 अक्तूबर 2018 को श्री मोराजी कुलदेव देवस्थान, टेंबवाडा मोरजिम, गोवा में आयोजित की । श्री चंद्रकांत वेलिप, उप मात्स्यिकी निदेशक, गोवा सरकार ने कार्यशाला का उद्घाटन किया । श्री भीम पेडनेकर, अध्यक्ष, निर्विकार मत्स्यन सहकारी समाज, मोरजिम, गोवा और श्री वी अमित वी शेटगावंकर, उप सरपंच, ग्राम पंचायत, मोरजिम, गोवा कार्यशाला में सम्मानित अतिथि थे । श्री एस के जायसवाल, यांत्रिक समुद्री अभियंता, भा मा स, गोवा ने मुख्य भाषण दिया और भा मा स का अधिदेश, इतिहास और कार्यशाला आयोजित करने का उद्देश्य बताया । मछुआरा समुदायों के प्रतिनिधियों ने मछुआरों को समुद्र में सामना करने वाले मुद्दों और सरकार की मशीनरी से उनकी उम्मीदों पर अपनी बात रखी । उन्होंने मछुआरों के लाभ के लिए इस तरह के आयोजन के लिए भा मा स की सराहना की । तकनीकी सत्र में, वैज्ञानिक पत्र क्षेत्रीय भाषाओं अर्थात् कोंकणी एवं हिंदी में प्रस्तुत किए गए । मछुआरों सहकारी समितियों विपणन समितियों के कुल 138 मछुआरों, और मात्स्यिकी विभाग, मोरजिम के अधिकारियों ने कार्यशाला में भाग लिया । “सुरक्षित एवं स्थायी मछली पकडने के तरीकों” का संदेश फैलाने हेतु स्थल पर

एक मछुआरा रैली का भी आयोजन किया गया ।

कोच्चिन बेसः

कोच्चिन बेस ने “दक्षिण पश्चिमतट के समुद्री मात्स्यिकी संसाधन-आगे चुनौतियों” विषय पर एक क्षेत्रीय कार्यशाला 30.10.2018 को मछुआरों के हित के लिए इम्मानुअल हॉल चेल्लानम (कोच्चि) में आयोजित की और प्रदर्शनी भी आयोजित की ।

विश्वमात्स्यिकी दिवस समारोहः

विशाखापट्टणम बेस ने कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, पशुपालन, डेयरी

एवं मत्स्यपालन विभाग, नई दिल्ली द्वारा 22.11.2018 को सम्राट अशोक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन केंद्र के ज्ञान भवन, गांधी मैदान रोड, मुरादपुर, पटना, बिहार में आयोजित “विश्व मात्स्यिकी दिवस समारोह”, में भाग लिया और एक प्रदर्शनी स्टॉल लगाया । प्रदर्शनी के दौरान संगठानात्मक गतिविधियों को दर्शाते हुए विभिन्न मात्स्यिकी चार्ट और पर्यावरण अनुकूल मत्स्यन तरीकों और मत्स्यन पोत और गियर मॉडल प्रदर्शित किए गए ।

बेस कार्यालयों द्वारा आयोजित ओपन हाउस

मुरगावं बेस

मुरगांव बेस ने डॉ. एम जी आर फिशरीज़ कॉलेज & अनुसंधान संस्थान, पोन्नेरी, टी एन एफ यू, तमिलनाडु के छात्रों एवं संकाय सदस्यों के लिए 29.11.2018 को उनके अध्ययन दौरे के दौरान एक ओपन हाउस एवं समुद्री प्रदर्शनी का आयोजन किया । कुल 36 छात्रों एवं 2 संकाय सदस्यों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया । उन्हे भा मा स की गतिविधियों के संबंध में अवगत कराया गया ।

भा.मा.स. मुरगांव बेस 10 दिसंबर 2018 को मात्स्यिकी सर्वेक्षण जलयानों एमएफवी येलोफिन एंव एमएफवी सागरिका पर ओपन हाउस/ "भारत में स्थायी समुद्री मात्स्यिकी" विषय पर प्रदर्शनी का आयोजन मुरगांव बंदरगाह, मुरगांव, गोवा में किया गया । स्कूली छात्रों, एमपीटी, सीआयएसएफ एवं कस्टम के कर्मचारीगणों को इस कायोजन में आमंत्रित किया गया था । कार्यक्रम का उद्घाटन श्री विपिन आर. मनोत, यातायात प्रबंधक, मुरगांव पत्तन न्यास, मुरगांव ने किया । भा.मा.स. की गतिविधियों, उपलब्धियों एवं भविष्य की योजनाओं, भा.मा.स. द्वारा अपनाई जा रही मत्स्यन पद्धतियों को दर्शाते चार्टों का प्रदर्शन किया गया । परम्परागत एवं यंत्रीकृत नावें, गियर, मॉडल्स, गोवा, भारत एवं विश्व की समुद्री मात्स्यिकी को दर्शाते चार्ट का प्रदर्शन भी किया गया । विभिन्न विभागों अर्थात दीप विहार उच्च माध्यमिक विद्यालय, मुरगांव, गोवा, मुरगांव पत्तन न्यास, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, एमपीटी, मुरगांव, कस्टम विभाग, मुरगांव के छात्रों/कर्मचारियों/फेकल्टी सदस्यों को मिलाकर 101 ने सहभागिता की ।

विशाखपट्टनम बेसः

विशाखपट्टणम बेस ने 7.12.2018 को जेट्टी नं. 6, मत्स्यन बंदरगाह, विशाखपट्टणम में पोत *एम. एफ. वी. मत्स्य शिकारी* एवं *एम .एफ. वी. मत्स्य दर्शिनी* पर ओपन हाउस का आयोजन किया । इसका उद्घाटन श्री एस सत्यनारायण मूर्ति, प्रभारी सर्वेक्षक एवं उप महानिदेशक (तकनीक), वाणिज्यिक समुद्री विभाग, विशाखपट्टणम द्वारा किया गया । कार्यक्रम के दौरान विविध मछलियों के नमूने, मात्स्यिकी चार्ट, जीवन रक्षक और अग्निशमन उपकरण और नौचालन उपकरणों को प्रदर्शित किए गए मछुआरों, स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालय के छात्रों, अनुसंधानकर्ताओं, संकायों और आम जनता ने ओपन हाउस का दौरा किया ।

III. आगंतुकों का मुलाकातः

- श्री चैतन्या स्कूल, विशाखपट्टणम से 50 छात्रों ने 3.10.2018 को विशाखपट्टणम बेसऔर पोत *एम. एफ. वी.मत्स्य शिकारी* और *एम. एफ. वी.मत्स्य दर्शिनी* का दौरा किया । उन्हें संगठानात्मक गतिविधियों और

विभिन्न नौचालन उपकरणों तथा मछली पकडने का जाल और सामान के बारे में अवगत कराया गया ।

- बेहरा समुद्री प्रशिक्षण संस्थान, विषियनगरम जिला, आंध्र प्रदेश से 40 जी पी प्रशिक्षार्थियों एवं एक संकाय सदस्य ने 09.10.2018 को विशाखपट्टणम बेस और पोतों का दौरा किया ।
- प्राणी विज्ञान विभाग, आन्ध्र विश्वविद्यालय के 4 स्नातकोत्तर छात्रों (प्रथम वर्ष) ने 10.10.2018 को विशाखपट्टणम बेस का दौरा किया । उन्हें भारत के पूर्वी तट के मछली एवं मात्स्यिकी संसाधनों के संबंध में जानकारी दी गई ।
- सरकारी वोकेशनल हायर सेंकेण्डरी स्कूल, न्जारक्कल, एरणाकुलम से 30 छात्रों ने 11.10.2018 को सर्वेक्षण पोत *एम. एफ. वी.मत्स्य वर्षिनी* का दौरा किया।
- सरकारी वोकेशनल हायर सेकेण्डरी स्कूल, कैपमंगलम से 23 छात्रों ने 23.10.2018 को सर्वेक्षण पोत *एम. एफ. वी.मत्स्य वर्षिनी* का दौरा किया ।
- भारत सरकार के कौशल विकास कार्यक्रम के अंतर्गत केंद्रीय मात्स्यिकी नाविकी एवं अभियांत्रिकी प्रशिक्षण संस्थान, विशाखपट्टणम में प्रशिक्षणाधीन 5 0 स्थानीय मछुआरों ने दो अधिकारियों के साथ 25.10.2018 को विशाखपट्टणम बेस का दौरा किया । उन्हें संगठनात्मक गतिविधियों, समुद्री मछली और भारत के ऊपरी पूर्वी तट के मात्स्यिकी संसाधनों, विभिन्न पर्यावरण अनुकूल मत्स्यन प्रणालियों, भारत के पूर्वी तट के टूना संसाधनों, तथा महासागरीय टूना को संभालना एवं परिरक्षण तकनीक के बारे में जानकारी दी गई ।
- महिला सैंट जॉसेफ कॉलेज, विशाखपट्टणम से बी एस सी के अंतिम वर्ष के 39 प्रशिक्षार्थियों ने एक संकाय सदस्य के साथ क्रमशः 9.11.2018 एवं 12.11.2018 को विशाखपट्टणम बेस और पोत का दौरा किया । उन्हें विविध संगठानात्मक गतिविधियों और विविध नौचालन उपकरणों तथा मत्स्यन जाल एवं सामान के संबंध में जानकारी दी गई ।
- अंडमानन निकोबार व्दीप से 5 स्थानीय मछुआरों एवं दो अधिकारियों ने 14.11.2018 को सर्वेक्षण पोत मत्स्य वर्षिनी का दौरा किया ।
- आशुतोष कॉलेज, कोलकोत्ता से बी एस सी प्रथम वर्ष (औद्योगिक मत्स्य एवं मात्स्यिकी) के 50 छात्रों ने 16.11.2018 को विशाखपट्टणम बेस और पोत का दौरा किया । उन्हें विविध संगठानात्मक गतिविधियों और विविध नौचालन उपकरणों तथा मत्स्यन जाल एवं सामान के संबंध में जानकारी दी गई ।
- जी वी एच एस एस, कलमश्शेरी, एरणाकुलम से 16 छात्रों एवं एक कर्मचारी ने 21.11.2018 को सर्वेक्षण पोत एम. एफ. *वी.मत्स्य वर्षिनी* का दौरा किया ।
- कालिकट विश्वविद्यालय, मलप्पुरम के 30 एम एस सी (मछली प्रसंस्करण) छात्रों ने 24.11.2018 को सर्वेक्षण पोत एम. एफ. वी.मत्स्य वर्षिनी का दौरा किया ।
- कोंकण कृषि विद्यापीठ, रत्नागिरी से 19 छात्रों (मात्स्यिकी अभियांत्रिकी में डिप्लोमा) और दो अकादमिक कर्मचारियों ने 24.11.2018 को कोच्चिन बेस का दौरा किया ।
- जी वी एच एस एस, कैतरम के दो प्रशिक्षकों के साथ 30 छात्रों (समुद्री खाद्य प्रसंस्करण) और 3 कर्मचारी सदस्य के साथ 29 छात्रों (समुद्री प्रौद्योगिकी) ने क्रमशः 26.11.2018 और 29.11.2018 को पोत *एम. एफ. वी.मत्स्य वर्षिनी* का दौरा किया ।
- आदिकवि नन्नाया विश्वविद्यालय, राजमुंद्री से 11 छात्रों (एम एस सी जलकृषि) ने 28.11.2018 को विशाखपट्टणम बेस एवं पोत *एम. एफ. वी. मत्स्य शिकारी* का दौरा किया ।
- सिम्बियासिस भूसचना संस्थान, पूणे से सुश्री श्रीजिता रॉय, एम एस सी भूसूचना छात्र ने भारत के वाणिज्यिक समुद्री मछलियों और कमजोर प्रजातियों पर सूचना एकत्रित करने हेतु 17.12.2018 को भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण, मुख्यालय, मुंबई का दौरा किया । भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के वैज्ञानिकों ने वांछित विषय से संबंधित आवश्यक सूचना और संस्थागत गतिविधियों के संबंध में जानकारी दी ।
- श्री हिमकांता केषी, वैज्ञानिक जी, राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला, रक्षा अनुसंधान विकास संगठन, विशाखपट्टणम ने 18.12.2018 को विशाखपट्टणम बेस का दौरा किया । उन्हें संगठानात्मक गतिविधियों और भारत के पूर्वी तट के समीप समुद्री मात्स्यिकी संसाधनों, उनकी प्रचुरता एवं वितरण के संबंध में समझाया गया ।
- श्री बी सुजित, होवरडोक, विशाखपट्टणम ने 20.12.2018 को विशाखपट्टणम बेस का दौरा किया ।
- आशुतोष कॉलेज, कोलकोत्ता से बी एस सी (औद्योगिक मछली एवं मात्स्यिकी के 18 छात्रों ने 26.12.2018 को विशाखपट्टणम बेस का दौरा किया ।

IV. राजभाषा कार्यान्वयनः

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकः

- कोच्चिन बेस की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक 27.12.2018 को आयोजित की गई ।
- चेन्नई बेस की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक 28.11.2018 को आयोजित की गई ।
- पोर्ट ब्लेयर के निष्पादन की समीक्षा राजभाषा कार्यान्वयन समिति, पोर्ट ब्लेयर की 9.10.2018 को हुई बैठक में की गई ।

नराकास (टोलिक) बैठकः

डॉ. एल. रामलिंगम, उपमहानिदेशक (मा.)/महानिदेशक (प्रभारी) एवं श्रीमती मीरा वेल्लेन राजीव, क. अनुवादक ने पश्चिम रेल्वे (मुख्यालय), चर्चगेट, मुंबई में 24.10.2018 को हुई नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक में भाग लिया ।

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण (मुख्यालय) एवं बेस कार्यालयों द्वारा आयोजित हिंदी कार्यशालाएं

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण (मुख्यालय), मुंबईः

हिंदी में पत्राचार बढ़ाने हेतु 18.12.2018 को टिप्पण एवं मसौदा लेखन पर एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला आयोजित की गई । डॉ. सुशील कुमार शर्मा, सदस्य

शं

सचिव, महाप्रबंधक (राजभाषा), पश्चिम रेल्वे, टोलिक, मुंबई ने उक्त विषय पर व्याख्यान दिया । तीस कर्मचारी सदस्यों ने कार्यशाला में सक्रिय रुप से भाग लिया ।

मुंबई बेसः

मुंबई बेस द्वारा 15.12.2018 को एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला आयोजित की गई । श्री नरेश कुमार, सहायक निदेशक, केंद्रीय अनुवाद ब्यूरो, नवीं मुंबई को विषय विशेषज्ञ के रुप में "सरल अनुवाद" विषय पर व्याख्यान देने हेतु आमंत्रित किया गया । कार्यशाला में 13 कर्मचारियों एवं 4 अधिकारियों ने भाग लिया ।

मुरगांव बेस

मुरगांव बेस ने कर्मचारी सदस्यों के हित के लिए 23.10.2018 को यूनिकोड एवं कंप्यूटिंग पर एक हिंदी कार्यशाला आयोजित की । श्री नरेन्द्र कुमार प्रसाद, सहायक निदेशक (टी &एस) केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान, दिल्ली को इस अवसर पर विषय विशेषज्ञ के रुप में आमंत्रित किया गया ।

कोच्चिन बेसः

एक हिंदी कार्यशाला 26.12.2018 को आयोजित की गई । श्रीमती लीना टी पी, क. अनुवादक द्वारा आयोजित कार्यशाला में 15 कर्मचारियों ने भाग लिया ।

विशाखपट्टणम बेसः

एक हिंदी कार्यशाला 04.12.2018 को कार्यालय में आयोजित की गई । श्रीमती जी दीप्ति, क. हिंदी अनुवादक, आयकर विभाग, विशाखपट्टणम इस अवसर पर संसाधक थी । उन्होंने राजभाषा के रुप में हिंदी के विविध पहलुओं एवं सरकारी कार्यालय में प्रति दिन हिंदी के उपयोग पर विचार विमर्श किया ।

पोर्ट ब्लेयर बेसः

पोर्ट ब्लेयर बेस द्वारा 31.12.2018 को एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला आयोजित की गई । जिसमें डॉ. देवानंद उइके, व. वैज्ञानिक सहायक, भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण, के पोर्ट ब्लेयर बेस संसाधक थे और अपने व्याख्यान में भा मा स की गतिविधियों और विविध मछली तरीकों पर वर्णन किया ।

V. महानिदेशक (प्रभारी) का बैठकों/सम्मेलनों में भागीदारीः

1. पोत परिवहन मंत्रालय द्वारा 08.10.2018 को होटल ताज महल पैलस, मुंबई में आयोजित तटीय पोत परिवहन अध्ययन पर एक दिवसीय कार्यशाला
2. डीकमीशन मत्स्यन पोत *एम. एफ. वी.मत्स्य सुगंधी* के निपटान के संबंध में 17.11.2018 को एम ई डी, भा मा स., कोच्चि में बैठक ।
3. पदेन सदस्य होने के नाते अनुसंधान सलाहकारी और मॉनिटरिंग समिति (आर ए एम सी) की प्रथम बैठक 20.11.2018 को भारतीय प्राणी विज्ञान सर्वेक्षण (ज़ेड एस आई) कोलकोत्ता में ।
4. आगे तटीय सुरक्षा मार्ग पर राष्ट्रीय सम्मेलन 27.11.2018 को मुंबई विश्वविद्यालय मे ।
5. मंत्रालय की केंद्रीय स्वीकृति और निगरानी समिति (सी ए एम सी) की छठी बैठक 07.12.2018 को और सातवीं बैठक 13.12.2018 को कृषि भवन, नई दिल्ली में
6. एल ओ पी योजना लागू करने के कारण भारत सरकार को हुए नुकसान की जाँच के लिए समिति की बैठक 14.12.2018 को कृषि भवन, नई दिल्ली में

VI प्रशिक्षण / संगोष्ठी / कार्यशाला / परिसंवाद / बैठकों / सम्मेलनों में भागीदारीः

- डॉ. अंशुमन दास, मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने राज्य मात्स्यिकी विभाग, महाराष्ट्र सरकार की तारापोरवाला मछलीघर (अक्वेरियम) के ए एम सी हेतु 5.10.2018 को तारापोरवाला अक्वेरियम, मुंबई में हुई तकनीकी समिति की बैठक में भाग लिया ।
- डॉ. विनोद कुमार मुड्डमाला, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक, डॉ. एल रामलिंगम, उप महानिदेशक (मा.)/महानिदेशक (प्रभारी) ने पोत परिवहन मंत्रालय द्वारा 08.10.2018 को होटल ताज महल पैलस, मुंबई में आयोजित तटीय पोत परिवहन अध्ययन पर एक दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया ।
- श्री एन वी रमण मूर्ति, तंत्र विश्लेषक, श्री सी एच भास्कर, प्रोग्रामर और श्री ए. सिवा, व. वैज्ञानिक सहायक ने एस ए सी, अहम्मदाबाद द्वारा 8-12 अक्टूबर

2018 के दौरान अहम्मदाबाद में *"संभाव्य मात्स्यिकी क्षेत्र के लिए मल्टी पैरामीटर सुदूर संवदेन डाटा विश्लेषण"* में भाग लिया ।

- श्री ए जॉन चेम्बियन, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक और श्री सी. बाबु, व. वैज्ञानिक सहायक ने बी ओ बी पी – आई जी ओ, चेन्नई द्वारा 12 अक्तूबर 2018 को होटल रानीट्री, चेन्नई में समुद्री मात्स्यिकी सेक्टर में ज्ञान प्रबंधन पर आयोजित अंतिम कार्यशाला में भाग लिया ।
- डॉ. देवानंद ई उइके, व. वैज्ञानिक सहायक, श्री प्रत्युष दास, क. मत्स्यन गियर प्रौद्योगिकीविद् और श्री नशद एम, व. वैज्ञानिक सहायक ने 23.10.2018 को समुद्री जीव विज्ञान विभाग एवं महासागर अध्ययन, पोन्डिच्चेरी विश्वविद्यालय, ब्रूकशहबाद, पोर्ट ब्लेयर में"अंडमान व्दीपो की मैक्रो और मेयोबेथिक विविधता" विषय पर श्री विकास पांडे की मौखिक परीक्षा में भाग लिया ।
- श्री एन. जगन्नाथ, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक और श्री जी वी ए प्रसाद, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने राष्ट्रीय मात्स्यिकी पोस्ट हारवेस्ट प्रौद्योगिकी और प्रशिक्षण संस्थान, विशाखपट्टणम में 22.10.2018 को निविदा समिति की बैठक में भाग लिया ।
- श्री सी. बाबु, व. वैज्ञानिक सहायक ने 25.10.2018 को कूडल हॉल, महासागर प्रबंधन संस्थान, अन्ना विश्वविद्यालय, चेन्नई, तमिलनाडु में अन्ना विश्वविद्यालय, चेन्नई द्वारा लोगों की जैवविविधता रजिस्टर(पी बी आर) सहित पैरा वर्गीकरण विज्ञान पर हरित कौशल विकास कार्यक्रम (जी एस डी पी) पाठ्यक्रम के समापन समारोह में भाग लिया ।
- श्री एन. उन्निकृष्णन, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने 10-11 नवंबर 2018 को आयोजित होने वाले दक्षिण राज्य के मात्स्यिकी मंत्रियों के सम्मेलन को अंतिम रुप देने हेतु 29.10.2018 को सी एम एफ आर आई में मात्स्यिकी विभाग , केरल राज्य की प्रारंभिक बैठक में भाग लिया ।
- डॉ. अंशुमन दास, मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने 29.10.2018 को भा मा स सम्मेलन कक्ष में सहायक आयुक्त, मुंबई राज्य मात्स्यिकी विभाग, महाराष्ट्र सरकार द्वारा आयोजित नीली क्रांति कार्यक्रम के अंतरगत *"ट्रॉलर को संसाधन विशिष्ट गहन समुद्री मत्स्यन पोतों में रुपांतर"* पर बैठक में भाग लिया ।
- डॉ. विनोद कुमार मुडुमाला, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने श्री ए सिवा, व. वैज्ञानिक सहायक के साथ सैंट पीटर हायर सेकेण्डरी स्कूल, मझगांव, मुंबई और केंद्रीय विद्यालय, कोलिवाडा के छात्रों को भ्राष्टाचार पर जागरुकता करने के लिए सतर्कता जागरुकता सप्ताह के हिस्से के रुप में क्रमशः 31 अक्तूबर 2018 और 1 नवंबर 2018 को *"भष्ट्चार मिटाओं –एक नया भारत का निर्माण"* पर भाषण दिया ।
- श्री के गोविंद राज, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने डॉ. ए बी कर , मात्स्यिकी वैज्ञानिक के साथ 12.11.2018 को होटल गेट वे, विजयवाडा में मात्स्यिकी एवं जलकृषि से संबंधित विभिन्न मामलों पर राज्य और केंद्र सरकार के अधिकारियों, श्रिम्प किसानों, संबंधित पणधारियों के साथ चर्चा करने के लिए श्री तरुण श्रीधर, आई ए एस, सचिव, पशुपालन डेयरी एवं मत्स्यपालन विभाग, भारत सरकार द्वारा आयोजित बैठक में भाग लिया ।
- डॉ ए बी कर, मात्स्यिकी वैज्ञानिक, श्री जी वी ए प्रसाद, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक और श्री के सिलंबरसन, व. वैज्ञानिक सहायक ने 14.11.2018 को आई सी ए आर-सी एम एफ आर आई के लिए विशाखपट्टणम क्षेत्रीय केंद्र में समुद्री संवर्धन पर राष्ट्रीय नीति के मसौदे पर पणधारी परामर्श में भाग लिया ।
- डॉ. विनोद कुमार मुडुमला, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक और श्री राजेंद्र कुमार बी डोकरे, यांत्रिक पर्यवेक्षक (व,) ने 20.11.2018 को अध्यक्ष का कार्यालय, पोर्ट हाउस, मुंबई पोट्र ट्रस्ट, मुंबई में ससून डॉक के आधुनिकीकरण के लिए पाँचवां समन्वय समिति की बैठक में भाग लिया ।
- ड़ॉ. अंशुमन दास, मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने 26-30 नवंबर, 2018 के दौरान इनकोईस, हैदराबाद में आई ओ डी ई के (अंतरराष्ट्रीय समुद्र विज्ञान डेटा और सूचना विनियम) के सहयोग के साथ इनकोइस द्वारा तटीय मानचित्रण और निगरानी के लिए भू स्थानिक तकनीक पर आयोजित प्रशिक्षण पाठ्क्रम में भाग लिया ।
- डॉ. विनोद कुमार मुडुमला, व मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने डॉ. एल रामलिंगम, उप महानिदेशक (मा.)/महानिदेशक(प्रभारी के साथ 27.11.2018 को मुंबई विश्वविद्यालय में तटीय सुरक्षा मार्ग पर राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया ।
- डॉ. ए. बी. कर, मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने 28-29 नवंबर 2018 और 3 दिसंबर 2018 के दौरान मात्स्यिकी क़ॉलेज, ओड़िशा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, रंगेलुंडा, बेरहमपूर, ओडिशा के बी एफ एस सी छात्रों के लिए सिफनेट, विशाखपट्टणम में "समुद्री मछली एवं मात्स्यिकी" पर व्याख्यान दिया ।
- श्री राहूल कुमार बी टेयलर, व. वैज्ञानिक सहायक और श्री सोली सोलमण, व. वैज्ञानिक सहायक ने 1-21 दिसंबर 2018 के दौरान सी एम एफ आर आई (मुख्यालय), कोच्चिन में केंद्रीय समुद्री मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान (सी एम एफ आर आई) द्वारा "जैवविविधता मूल्यांकन और संरक्षण के लिए मात्स्यिकी जीव विज्ञान तकनीक में हाल ही की प्रगति" पर आयोजित आई सी ए आर विंटर स्कूल में भाग लिया ।
- श्री अशोक एस. कदम, मात्स्यिकी वैज्ञानिक और श्री स्वप्निल एस. शिर्के, व. वैज्ञानिक सहायक ने 7 दिसंबर 2018 को दूरदर्शन केंद्र, वर्ली मुंबई में दूरदर्शन की कृषि सलाहकार समिति की तिमाही बैठक में भाग लिया ।
- डॉ. एस. रामचंद्रन, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक और एन. उन्निकृष्णन, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने 15.12.2018 को सी एम एफ आर आई, कोच्चि में राष्ट्रीय समुद्री संवर्धन नीति के मसौदे पर चर्चा करने की ओर पणधारियों की कार्यशाला में भाग लिया ।
- डॉ. ए. बी. कर, मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने 17-22 दिसंबर 2018 के दौरान बंगाल की खाडी कार्यक्रम – अंतर सरकारी संगठन, चेन्नई द्वारा आयोजित "अंतर्राष्ट्रीय मात्स्यिकी करार, संधियों और सम्मेलनों पर क्षमता वृद्धि के लिए क्षेत्रीय प्रशिक्षण पाठक्रम" में भाग लिया ।
- डॉ. एस रामचंद्रन, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने 17-22 दिसंबर 2018 के दौरान चेन्नई में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय मात्स्यिकी करार, संधियों और सम्मेलनों पर क्षमता वृद्धि के लिए बी ओ बी पी क्षेत्रीय प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में भाग लिया ।

- श्री अशोक एस कदम, मात्स्यिकी वैज्ञानिक औरडॉ. हर्षववर्धन डी जोशी, व. वैज्ञानिक सहायक को संसाधक के रुप मे 18.12.2018 को एम एन सी बिल्डिंग एम बी पी टी, ससून डॉक, मुंबई में स्वच्छता से मछली को संभालना और मत्स्यपालन में स्वच्छता पर सूचना का प्रसार और जागरुकता फैलाने हेतु आमंत्रित किया गया ।
- डॉ. सिजो पी वर्गीस, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने संयुक्त सचिव (मा।), कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, नई दिल्ली की अध्यक्षता में 20.11. 2018 को संपन्न मात्स्यिकी सब्सिडी पर टास्क फोर्स की नौवीं बैठक में भाग लिया ।
- श्री राजू एस नागपूरे, व. वैज्ञानिक सहायक, श्रीमती बिंदु के, यू डी सी और श्री भरत कुमार, एल डी सी ने 27-28 दिसंबर 2018 के दौरान राष्ट्रीय पोलार एवं महासागर अनुसंधान केंद्र, हैडलैंड साडा, मुरगांव, गोवा में वैज्ञानिक तकनीकी शब्दावली आयोग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित "तकनीकी शब्दों के उपयोग और महत्व" पर प्रशिक्षण में भाग लिया ।

VII प्रशासनिक समाचार

नियुक्तियाँ

- श्री प्रवीण कुमार, को बहु कार्मिक कर्मचारी के पद में 01.11.2018 के प्रभाव से नियुक्त किया गया और भा मा स, (मुख्यालय) मुंबई में तैनात किया गया ।
- श्री अंकित कुमार, को बहु कार्मिक कर्मचारी के पद में 31.01.2018 के प्रभाव से नियुक्त किया गया और भा मा स, के मुंबई बेस में तैनात किया गया ।

पदोन्नतियां/स्थानांतरण:-

- श्री प्रदीप कुमार शुक्ला, व.लेखाकार, भा मा स का मुंबई बेस को 10.10.2018 को सहायक लेखा अधिकारी (ए ए ओ) के पद में पदोन्नति पर भा मा स, मुख्यालय, मुंबई में स्थानांतरित किया गया ।
- श्री महेश कुमार फरेजिया, निदेशक (अभियांत्रिकी), भा मा स (मुख्यालय) को 17.10.2018 से भा मा स मुख्यालय में उप महानिदेशक (अभियांत्रिकी) के पद में पदोन्नत किया गया।

सेवानिवृत्तियां:-

- श्री अशोक कुमार खिता, एम. एस (व.), भा मा स का मुंबई बेस 31.12.2018 को अपनी अधिवर्षिता पर सेवानिवृत्त हुए ।
- श्री जॉय मूथेडन, मुख्य अभियंता (ग्रेड-।) भा मा स का मुंबई बेस 31.12.2018 को अपनी अधिवर्षिता पर सेवानिवृत्त हुए ।

स्वच्छता पखवाड़ा

भा मा स., मुख्यालय एवं बेस कार्यालयों द्वारा 15.09.2018 से 02.10.2018 तक और 23.12.2018 को किसान दिवस के साथ 16-31 दिसंबर 2018 तक "स्वच्छता पखवाडा" का आयोजन किया गया । कार्यक्रम के दौरान मुख्यालय एवं बेस कार्यालयों केसभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने कार्यालय भवन और इसके परिसर की सफाई, पौधों को निकालने, जलमग्न क्षेत्र की सफाई में सक्रिय रुप से शामिल थे, स्थानीय मछली बाज़ार में स्वच्छता जागरुकता पर पोस्टर भी वितरित/प्रदर्शित किए गए । कार्यक्रम के दौरान स्थानीय लोगों के बीच सफाई के प्रति जागरुकता लाने हेतु एक रैली भी आयोजित की गई।

"सतर्कता जागरुकता सप्ताह"

भा मा स मुख्यालय, मुंबई और सभी बेस कार्यालयों द्वारा 29.10.2018 से 03.11.2018 तक "सतर्कता जागरुकता अभियान" आयोजित किया गया । अभियान के एक हिस्से के रुप में 29.10.2018 को सतर्कता प्रतिज्ञा लिया गया । इस संबंध में, 30.10.2018 को कार्यालय सदस्यों के लिए "क्या भ्रष्टाचार मिटाने के लिए सरकारी उपाय पर्याप्त है" विषय पर एक कार्यशाला एवं वादविवाद का आयोजन किया गया ।

येल्लोफिन टूना (वाइ एफ टी) के उदर में परजीवी (हिरुडिनेल्ला वेंट्रिकोसा)

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के मुरगांव बेस से जुडे मल्टीफिलमेंट टूना लॉंग लाइनर एम. एफ. वी.येल्लोफिन(35.76 मी. ओ ए एल) को दिसंबर 2018 के दौरान महासागरीय जल (टूना एवं संबंधित संसाधन) में समन्वेषी सर्वेक्षण के लिए परिनियोजित किया गया था । अक्षांश 13° उ- 18° उ के बीच सर्वेक्षण करते समय अक्षांश 13° 57.20' उ/0.71°51.70' पू के क्षेत्र में 1662 मी गहराई में येल्लोफिन टूना दर्ज की गई, परजीवी के पाँच नग (फ्लूक) पेट की भीतरी दीवार में देखे गए और हिरुडिनेल्लावेंट्रिकोसा के रुप में पहचाना गया ।

जैसा कि इन छोटी प्रजातियों को पहले सेही दुनिया के विभिन्न नेरिटिक टूना में पहचाना गया है, भारत के मध्य पश्चिम तट में येल्लो फिन टूना के वर्तमान अवलोकन नियमित नहीं है । प्रजाति हिरुडिनेल्ला वेंट्रिकोसा एक मांसल कीडा है जो आकार और कई आकृति में भिन्न होती है । भूरे से गुलाबी रंग के परजीवी में दो चूषक आसानी से देखे जाते हैं और कीडा के शिराग्र के आस पास है । यह वाहू की एक विशेष परजीवी है और अटलांटिक ब्लू मार्लिन, डोलफिन, छोटी टून्नी में संभवतः अन्य स्कोमब्रिड्स में माध्यमिक परजीवी के तौर पर देखा गया है ।

संकलनकर्ता : श्री. ए. शिवा, डॉ. राजश्री बी. सनदी और श्री राहुलकुमार बी. टेलर **संपादक** डॉ. विनोद कुमार मुडुमाला और डॉ. अंशुमान दास
हिन्दी अनुवाद : श्रीमती मीरा वेल्लेन राजीव
प्रकाशक : डॉ. एल. रामालिंगम, महानिदेशक (प्रभारी)
भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण, भारत सरकार, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, पशुपालन, डेयरी एवं मत्स्यपालन विभाग
न्यू फिशिंग जेट्टी, ससून डॉक, कुलाबा मुम्बई - 400 005,
दूरभाषा 022 - 2215 1865/66 **फैक्स** 022-22188221; **वेबसाईट**: http:/fsi.gov.in; **ई-मेल**: dg-fsi-mah@gov.in